bpni
putting child nutrition at the forefront of social change

भारतः विश्व स्तनपान सप्ताह
(1-7 अगस्त 2024)

अंतराल को भरना

भारत के सभो अस्पतालो (सरकारी एवं गैर सरकारी) में प्रसूताओं को स्तनपान में सहयोग करना

Closing the Gap
Breastfeeding Support for All
WABA | WORLD BREASTFEEDING WEEK 2024

लक्ष्य २०२४

- स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्तनपान में सहयोग करने में होने वाली कमी को इंगित करना
- इस कमी को दूर करने के तरीके एंव संसाधन बताना
- स्तनपान के फायदों को हरेक माँ तथा बच्चे तक पहुँचाने के तरीके पर सरकार एवं स्वास्थ्यकर्मियों से विचार विमर्श
- संभावित कार्यों को सूचीबद्ध करके उसे लाभार्थियों को पहुंचाना (अस्पतालो के प्रशासक, स्वास्थ्यकर्मी एवं नीति निर्धारक (Policy makers)

BP-33, Pitampura, Delhi-110034 +91-11-42683059 bpni@bpni.org @bpniindia

प्रस्तावना :-

परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा यूनीसेफ के अनुसार

1. जन्म के 1 घंटे के अन्दर स्तनपान शुरू करे।
2. 6 माह तक केवल स्तनपान
3. 6 माह बाद उचित अनूपुरक आहार तथा स्तनपान 2 वर्ष या उस से अधिक समय तक जारी रखे।

हम सभी माँ, बच्चे, परिवार तथा देश को स्तनपान से होने वाले फायदों के बारे में जानते है। हमारे देश को इससे कितने फायदे होगें, इस के अनगिनत सबूत है।

2019 में हुये एक अंतरराष्ट्रीय शोध्ध ने बताया कि सम्पूर्ण स्तनपान न होने से प्रतिवर्ष 1 लाख बच्चों को मृत्यु (डायरिया तथा न्यूमोनिया) से हो जाती है, जिसे बचाया जा सकता है। 3.47 करोड़ डायरिया 24 लाख न्यूमोनिया और मोटापे के 40382 केस को भी बचाया जा सकता है। 7000 महिलाओं मे स्तन कैंसर, 1700 अंडाशय के कैंसर और 87000 टाइप 2 मधुमेह को बचाया जा सकता है। भारतवर्ष में प्रतिवर्ष इन बीमारियों के इलाज पर 727.18 करोड़ रूपये खर्च होते है।

उचित पोषण में यह शक्ति है कि वह कुपोषण, ज्यादा वजन (ever wt) तथा : मोटापा को रोक सके। साथ ही वह भोजन सम्बन्धी अन्य बीमारियों जैसे टाइप - 2 मधुमेह, दिल की बीमारिया तथा कुछ कैसर का भी बचाव करता है। इतने फायदो के बावजूद भारतवर्ष में स्तनपान की दर कम है।

सिजेरियन प्रसव में भी शीघ्र स्तनपान के लाभ प्रमाणित है। वैश्विक साक्ष्यों को समीक्षा से पता चलता है कि शीष्व स्तनपान और सम्पूर्ण स्तनपान को बढ़ाना के लिए दस चरण (10 steps) महत्वपूर्ण है।

यह फोल्डर आप को निम्न लिखित जानकारी देता है:-

1. शीघ्र स्तनपान तथा अस्पतालों में होने वाले प्रसव
2- राष्ट्रीय एवं अंतर्राट्रीय मार्गदर्शन
3. सफल स्तनपान के दस चरण तथा इन्हें कैसे लागू करें
4- 6 उप करण (Tools)
5.- अलग-अलग लोगों के साथ कार्य करने के लिये कुछ सुझाव।

इन सब चीजों से आप को अंतराल को भरने में मदद मिलेगी ।

शीघ्र स्तनपान की वर्तमान स्थिति :-

NFHS - 5 (2021) के अनुसार 88.6% स्त्रियो का प्रसव अस्पतालों मे होता है, परन्तु सिर्फ 41.6% एक घंटे में स्तनपान शुरू करवा पाती है। (चित्र -1)

विभिन्न राज्यों में यह दर बदलती रहती है, परन्तु हमें इस अंतराल को भरना है ताकि हरेक शिशु को 1 घण्टे में स्तनपान शुरू हो सके। (चित्र . 2)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मार्ग दर्शन--

- भारत सरकार ने 2016 में माँ (MAA) कार्यक्रम चलाया ताकि अस्पतालों में स्तनपान बढ़े।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) तयां यूनिसेफ ने 'सफल स्तनपान के दस कदम 'प्रसूति केन्द्रो के लिए जारी किया।
- भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MOHFW) के सुझावों के अनुसार प्रत्येक प्रसूति केन्द्र पर स्तनपान में सहयोग करने हेतु स्वास्थ्यकर्मी होना चाहिये।

चित्र - भारतवर्ष में जल्दी स्तनपान शुरू करने की दर तथा अस्पतालों में होने वाले प्रसव
स्त्रोत-NFHS-5 (2021)

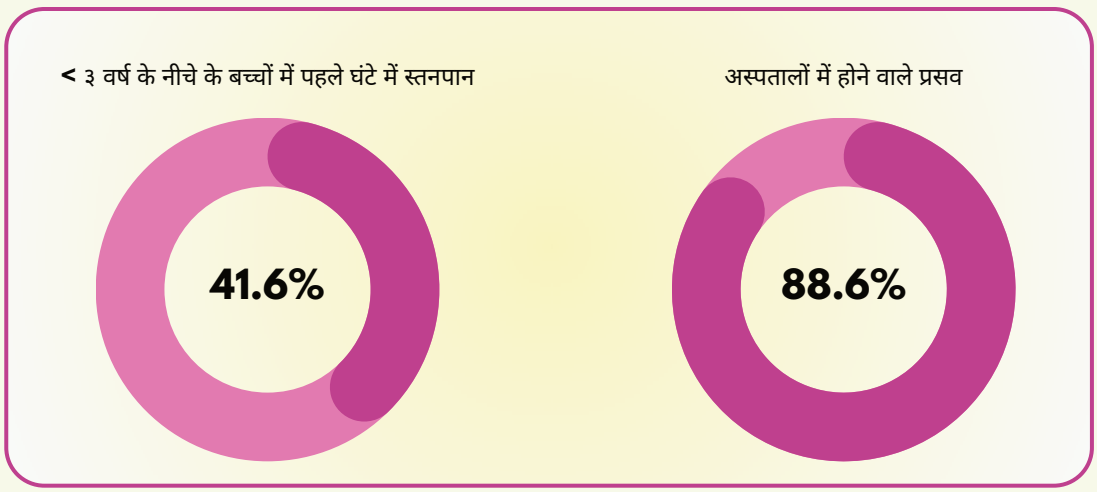

चित्र-२ :- शीघ्र स्तनपान एवं अस्पतालों में होने वाले प्रसव की राज्यवार डेटा NFHS-5 (2021) के अनुसार

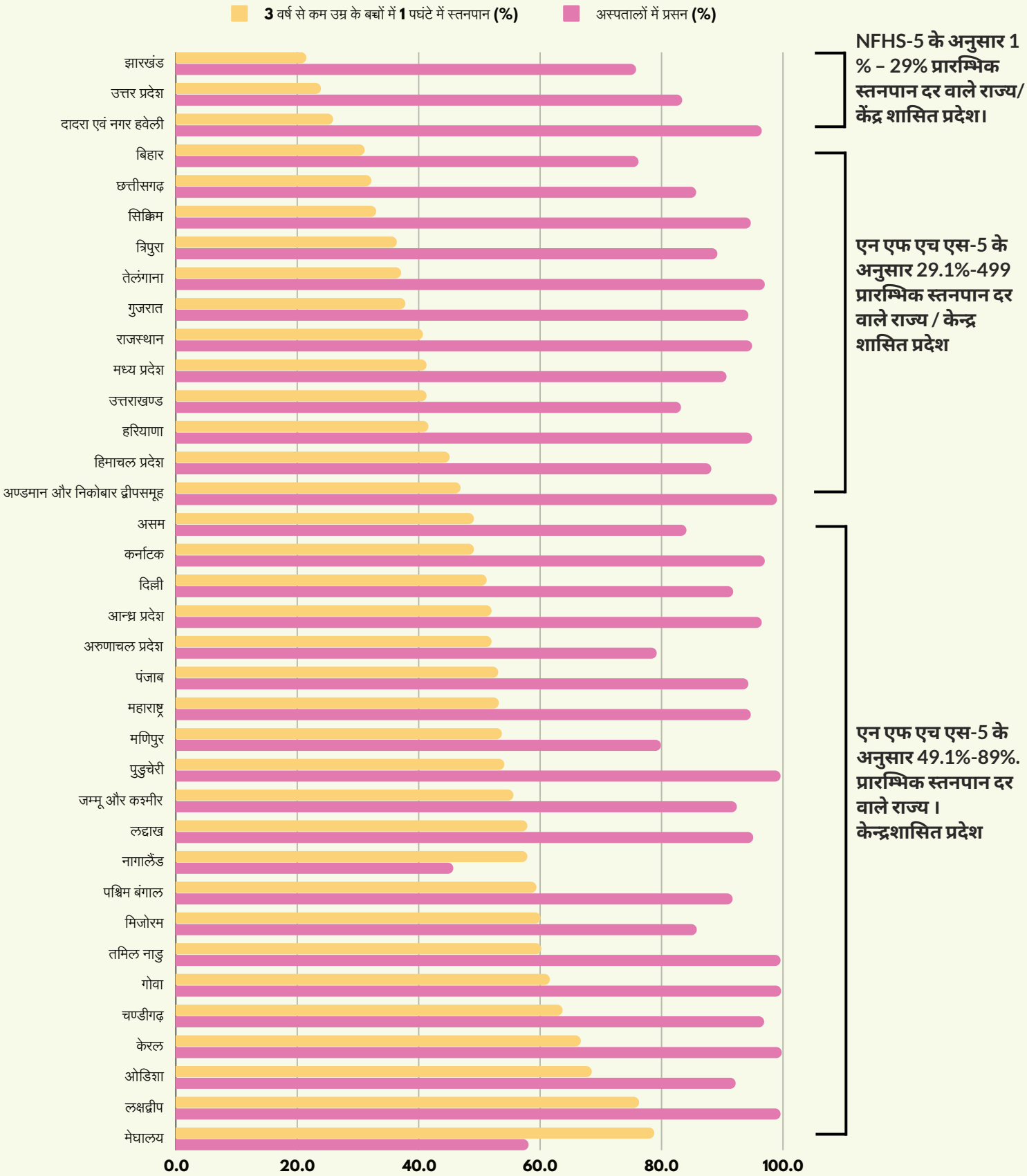

यह जानकारी हमें यह बताती है कि हमें अपने स्वास्थ्य तन्त्र मैं कितना बड़ा अंतराल भरना है।

चुनौतिया (CHALLENGES)

सर्वाधिक प्रसव अस्पतालों में हो रहे है, अत: वही हमें अवसर भी मिलेगे। विश्व बैंक के अध्ययन के अनुसार सफल स्तनपान के निम्नलिखित अवरोधक है -

1- माँ एवं शिशु का अलग होना, विशेषकर सीजेरियन प्रसव के बाद। यह प्रवृति निजी अस्पतालो में ज्यादा है।

२. स्वास्थ्यकर्मियों का अधूरा प्रशिक्षण।

3- डिब्बे के दूध का अनावश्यक इस्तेमाल । यह दूध बनाने वाली कम्पनियो के आर्थिक दबाव से होता है।

4- गर्भवती महिलाओ तथा प्रसव के बाद उचित सलाह एवं सहयोग न मिलना

अंतराल को भरने हेतु बी. पी. एन.आई. के 6 उपकरण (TOOLS)

MAA कार्यक्रम मार्गदर्शन अस्पतालों से नीतियों और प्रथाओं का पालन करने का आग्रह करता है, जैसे। आई एम एस अधिनियम को लागू करना, लिखित स्तनपान नीति, डेटा प्रबंधन प्रणाली, स्तनपान परामर्श में कर्मचारियों का प्रशिक्षण, प्रसवपूर्व स्तनपान पर परामर्श, स्तनपान शुरू करने के लिए जन्म के समय सहायता, स्तनपान के अनुकूल व्यवहार जैसे कमरे में रहना (24 hrs.), स्तनपान के अलावा किसी भी प्रकार के अन्य पेय या भोजन से परहेज करना ।

MAA कार्यक्रम/WHO के दस कदमों के आधार पर, प्रसूति केन्द्रों के लिये BPNI ने Breastfeeding Friendly Hospital Accreditation Programme" की शुरुआत की है। यह एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया(AHPI) के साथ शुरू हुआ है। यह उनस्पतालों के लिए स्वैच्छिक (voluntary) है। इस से जुड़कर वे स्तनपान को बढावा दे सकते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया यहां क्लिक करें https://www.bfhi-india.in/home.php

6 उपकरण:-

Tool-1

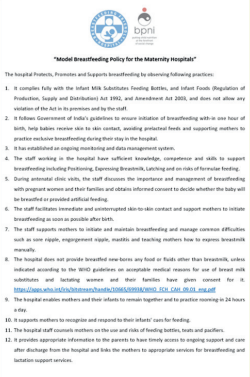

अस्पतालों में लिखित स्तनपान की नीति होनी चाहिये।

Tool-2

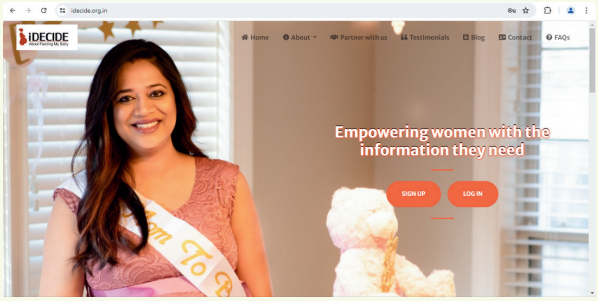

'i-Decide (गर्भावस्था में माँ को उचित सलाह मिले ताकि वह नर्णय ले सके।)

Tool-3

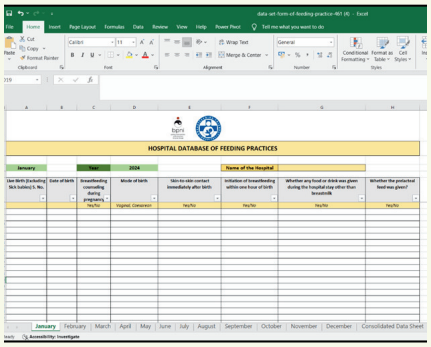

स्तनपान सम्बन्धी डाटा का प्रसूति केन्द्रों में निगरानी।

Tool-4

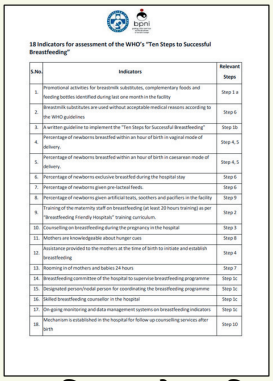

18 बिन्दु पर प्रोग्राम की निगरानी

Tool-5

प्रसूति केन्द्र के कर्मचारी का सफल स्तनपान के दस कदम" विषय पर 4 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम

Tool-6

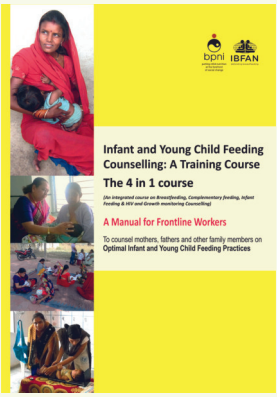

ANM तथा सामुदायिक कर्मियों का 4 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम

Tool 1 to 4 can be downloaded free, for tool 5 & 6 (Paid training programme), kindly contact BPNI at bpni@bpni.org

"स्तनपान अनुकूल अस्पताल" मान्यता सभी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं - नर्सिंग अधिकारियों, स्नातकोत्तर निवासियों, डॉक्टरों और प्रसवपूर्व ओपीडी, प्रसव कक्ष / ओटी, बाल चिकित्सा वार्ड, प्रसवोत्तर वार्ड और एनआईसीयू के कर्मचारियों को सभी माताओं-शिशु जोड़ों के लिए विशेष स्तनपान का समर्थन जारी रखने और अस्पताल में MAA कार्यक्रम के दस-चरणों के सख्त कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करती है।

कमांड अस्पताल (दक्षिणी कमांड), पुणे, महाराष्ट्र

प्रारंभिक त्वचा से त्वचा का संपर्क, ऑनलाइन डेटा निगरानी, मान्यता प्राप्त होना ही हमारे लिए स्तनपान के अनुकूल प्रथाओं को जारी रखने के लिए एक निरंतर प्रेरणा है

अंकुरा हॉस्पिटल फॉर विमेन एंड चिल्ड्रन, बोडुप्पल, हैदराबाद

तालिका 1: दस कदम, एमएए कार्यक्रम और कार्यान्वयन हेतु कार्यवाहियां

दस कदम 2018 (WHO)	एमएए कार्यक्रम की आवश्यकताएं	कार्यान्वयन हेतु कार्रवाई
1.a. स्तन-दूध के विकल्प के विपणन की अंतर्राष्ट्रीय संहिता और प्रासंगिक विश्व स्वास्थ्य सभा प्रस्तावों का पूर्णतः अनुपालन करें।	आईएमएस अधिनियम का पालन, सिविल सर्जन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टरों और नर्सों के लिए एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम	• अस्पताल स्टाफ जागरूकता और पालन
1. ख. एक लिखित शिशु आहार नीति हो जिसे नियमित रूप से कर्मचारियों और अभिभावकों को बताया जाए।	पुरस्कार के लिए आवश्यक.	• मॉडल नीति से अनुकूलन (टूल-1)
1.सी. सतत निगरानी और डेटा प्रबंधन प्रणालियां स्थापित करना।	सभी प्रसव रजिस्टरों में स्तनपान की शीघ्र शुरुआत के लिए उपयुक्त डेटा प्रविष्टि; स्तनपान और स्तन की स्थिति की निगरानी, स्तनपान से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए सहायता।	• टूल-3 मॉनिटरिंग और डेटा का उपयोग करें • कार्यक्रम निगरानी के लिए टूल-4 का उपयोग करें
2. सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों के पास स्तनपान कराने में सहायता करने के लिए पर्याप्त ज्ञान, क्षमता और कौशल है।	एमएए में निम्नलिखित प्रशिक्षणों की रूपरेखा दी गई है: • एएनएम और नर्सों के लिए 4 दिवसीय आईवाईसीएफ व्यापक प्रशिक्षण पैकेज और प्रशिक्षक मार्गदर्शिका। (टूल-6) • मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) का एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम।	• इसके अलावा अस्पताल में कर्मचारियों की क्षमता और कौशल सुनिश्चित करने के लिए टूल-5 का उपयोग करें
3. गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों के साथ स्तनपान के महत्व और प्रबंधन पर चर्चा करें।	स्टाफ नर्स, आरएमएनसीएच+ए परामर्शदाताओं और चिकित्सा अधिकारियों की प्रमुख जिम्मेदारी।	• स्तनपान की तैयारी कर रही गर्भवती महिलाओं को शिक्षित करने के लिए टूल-2 का उपयोग करें • सरकार इस कदम को सार्वभौमिक बनाने के लिए अधिसूचना जारी कर सकती है • कौशल विकास के लिए टूल-5 का उपयोग करें
4. तत्काल और निर्बाध त्वचा से त्वचा का संपर्क सुगम बनाना और माताओं को जन्म के बाद यथाशीघ्र स्तनपान शुरू करने में सहायता करना	प्रसव कराने वाली एएनएम, स्टाफ नर्स और चिकित्सा अधिकारी जिम्मेदार हैं	• प्रत्येक अस्पताल में प्रसव के समय माताओं की सहायता के लिए एक निर्दिष्ट कर्मचारी या स्तनपान परामर्शदाता होना चाहिए। कौशल विकास के लिए टूल-5 का उपयोग करें
5. माताओं को स्तनपान शुरू करने और जारी रखने तथा सामान्य कठिनाइयों का प्रबंधन करने में सहायता करें।	आशा कार्यकर्ताओं द्वारा दिए जाने वाले मुख्य संदेश।	• सुनिश्चित करें कि कर्मचारी पर्याप्त रूप से कुशल हों। - अस्पताल कर्मचारियों को सहायता प्रदान करने के लिए टूल-5 का उपयोग करें
6. स्तनपान करने वाले नवजात शिशुओं को स्तन दूध के अलावा कोई अन्य भोजन या तरल पदार्थ न दें, जब तक कि चिकित्सकीय रूप से संकेत न दिया जाए।	आशा द्वारा दिया जाने वाला संदेश।	• अस्पताल स्टाफ की क्षमता का निर्माण करें, टूल-5 का उपयोग करें
7. माताओं और उनके शिशुओं को एक साथ रहने तथा 24 घंटे एक ही कमरे में रहने की आदत डालने में सक्षम बनाएं।	सभी स्वस्थ नवजात शिशुओं को रहने की जगह और बिस्तर उपलब्ध कराया जाएगा।	• सी-सेक्शन जन्म में अलगाव से बचें, कौशल विकास के लिए टूल-5 का उपयोग करें
8. माताओं को अपने शिशुओं के दूध पिलाने के संकेतों को पहचानने और उन पर प्रतिक्रिया देने में सहायता करें।	परामर्श के एक प्रमुख घटक के रूप में उल्लेख किया गया।	• कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए टूल-5 का उपयोग करें
9. माताओं को दूध पिलाने वाली बोतलों, निप्पलों और पैसिफायर के उपयोग और जोखिमों के बारे में परामर्श दें।	उल्लेख नहीं है	• अस्पताल स्टाफ सहायता/परामर्श दे सकता है - कौशल विकास के लिए टूल-5 का उपयोग करें
10. डिस्चार्ज का समन्वय करें ताकि माता-पिता और उनके शिशुओं को समय पर निरंतर सहायता और देखभाल मिल सके।	अस्पताल से छुट्टी मिलने पर माताओं को प्रशिक्षित एएनएम या समुदाय के अन्य कुशल व्यक्तियों से जोड़ें।	• अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा इस कार्रवाई को अधिसूचित और औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए। • ए.एन.एम./अन्य कार्यकर्ताओं को सिखाने के लिए टूल-6 का उपयोग करें।

अंतर को पाटने के लिए कार्रवाई के विचार

सरकारों

- प्रत्येक राज्य में अस्पतालों का आवधिक मूल्यांकन करना।
- आईएमएस अधिनियम के कानूनी प्रावधानों की प्रभावी निगरानी और कार्यान्वयन के लिए कदम उठाएं।
- अस्पतालों में डेटा संग्रहण द्वारा एमएए कार्यक्रम कार्यान्वयन को मजबूत करना।
- प्रसव केन्द्रों पर स्तनपान सहायक स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए स्तनपान सेवाओं को सुदृढ़ बनाना।
- एमएए कार्यक्रम/दस कदम को लागू करने के लिए प्रसूति सुविधाओं वाले निजी क्षेत्र के अस्पतालों के साथ साझेदारी करना।

अस्पताल प्रशासक

- अस्पताल में प्रत्येक 3 से 6 माह में डेटा की समीक्षा करने के लिए एक समिति गठित करें।
- अस्पतालों में प्रारंभिक स्तनपान पर सुसंगत डेटा संग्रह के लिए प्रोटोकॉल को संस्थागत बनाना, टूल-3 का उपयोग करना और उसे अनुकूलित करना।

व्यावसायिक संघ: बाल रोग विशेषज्ञ, प्रसूति रोग विशेषज्ञ, नवजात रोग विशेषज्ञ और नर्स

- यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में डेटा संग्रहण और विश्लेषण किया जाए तथा समीक्षा के बाद सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।
- प्रसूति अस्पतालों में माँ के स्वयं के दूध की बैंकिंग सुनिश्चित की जाए।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि पाउडरयुक्त दूध के फार्मूले के अनावश्यक उपयोग से बचा जाए, तथा विकल्प देने और उन्हें तैयार करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मार्गदर्शन का उपयोग किया जाए।
- यह सुनिश्चित करें कि सभी माताओं को जन्म के समय सहायता मिले।
- व्यावहारिक रूप से प्रसवपूर्व स्तनपान शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लिए कदम उठाना।

बीपीएनआई सदस्य/व्यक्ति/नागरिक समाज संगठन

- अंतर को कम करने के लिए उपरोक्त में से किसी के साथ जुड़ें
- उपकरणों का परिचय देने के लिए एक सेमिनार का आयोजन करें (बीपीएनआई वेबसाइट पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है)
- प्रसूति सेवाएं प्रदान करने वाले अस्पतालों में 'स्तनपान अनुकूल' अस्पताल मान्यता कार्यक्रम लागू करना।

संदर्भ

[1] वाल्टर्स डी, फान एल, मैथिसन आर. स्तनपान न कराने की लागत: एक नए उपकरण से वैश्विक परिणाम। स्वास्थ्य नीति और योजना। 2019 जून 24. यहाँ से उपलब्ध: *https://www.aliveandthrive.org/en/country-stat/india* [2] *https://www.bfhi-india.in/evidence-on-c-section-and-early-breastfeeding* [3] पेरेज़-एस्कैमिला, आर., मार्टिनेज, जे. एल., और सेगुरा-पेरेज़, एस. (2016) शिशु-अनुकूल अस्पताल पहल का स्तनपान और बाल स्वास्थ्य परिणामों पर प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा। मातृ एवं बाल पोषण, 12: 402–417. *https://onlinelibrary.wiley.com/doi/full/10.1111/mcn.12294* [4] सफल स्तनपान के लिए दस कदम (संशोधित 2018) *https://www.who.int/nutrition/bfhi/ten-steps/en/*
[5] विश्व बैंक। 2019. दक्षिण एशिया-दक्षिण एशिया में शिशु-अनुकूल अस्पताल पहल: सफल स्तनपान के लिए दस कदम लागू करना-भारत, नेपाल और बांग्लादेश की चुनौतियाँ और अवसर (अंग्रेजी)। वाशिंगटन, डी.सी.: विश्व बैंक समूह। *http://documents.worldbank.org/curated/en/916891573111241173/South-Asia-Baby-Friendly-Hospital-Initiative-in-South-Asia-Implementing-Ten-Steps-to-Successful-Breastfeeding-India-Nepal-and-Bangladesh-Challenges-and-Opportunities*

bpni
putting child nutrition at the forefront of social change

IBFAN
defending breastfeeding

भारतीय स्तनपान संवर्धन नेटवर्क (बीपीएनआई)

Address: BP-33, Pitampura, Delhi 110 034. Tel: +91-11- 42683059

bpni@bpni.org

http://www.bpni.org

@बीपीएनआईइंडिया

@bpni.org

https://www.youtube.com/user/bpniindia

idecide4me

बीपीएनआई के बारे में

ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (BPNI) एक 32 साल पुराना पंजीकृत, स्वतंत्र, गैर-लाभकारी, राष्ट्रीय संगठन है जो शिशुओं और छोटे बच्चों के स्तनपान और उचित पूरक आहार की सुरक्षा, प्रचार और समर्थन की दिशा में काम करता है। BPNI नीति विश्लेषण, वकालत, सामाजिक लामबंदी, सूचना साझाकरण, शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और IMS अधिनियम के साथ कंपनी के अनुपालन की निगरानी के माध्यम से काम करता है। BPNI विश्व स्तनपान रुझान पहल (WBTi) कार्यक्रम के लिए वैश्विक सचिवालय के रूप में कार्य करता है, जो नीति और कार्यक्रमों का विश्लेषण करता है और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में देश स्तर पर कार्रवाई को प्रेरित करता है। BPNI इंटरनेशनल बेबी फ़ूड एक्शन नेटवर्क (IBFAN) का हिस्सा है

बीपीएनआई की नैतिक नीति

BPNI शिशु आहार, दूध की बोतलें या शिशु आहार से संबंधित उपकरण बनाने वाली कंपनियों से कोई भी फंड या सहायता स्वीकार नहीं करता है। BPNI हितों के टकराव वाले संगठनों से संबद्ध नहीं है। BPNI सभी से विश्व स्तनपान सप्ताह मनाते समय इस नैतिक रुख का पालन करने का अनुरोध करता है।

लेखक एवं सम्पादक: डॉ. अरुण गुप्ता, डॉ. नुपुर बिडला, सुश्री रीमा दत्ता एवं सुश्री प्राची
डिजाइनर: अमित दहिया
हिंदी अनुवादक: डॉ. बी.बी. गुप्ता एवं डॉ. महिमा मित्तल, प्रवीण दूबे

बी पी एन आई ने विश्व स्तनपान कार्रवाई गठबंधन (डब्ल्यूएबीए) को डब्ल्यूबीडब्लू 2024 की शुरुआत करने और लोगो के उपयोग के लिए धन्यवाद दिया